(ग) यदि उपरोक्त का उत्तर स्वीकारात्मक हो तो क्या सरकार इस रेलवे को फतवाह-इस्लामपुर से गया तक बढ़ायेगी ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) प्रारम्भ से ही, फतवाह-इस्लामपुर लाइट रेलवे मार्टिन एण्ड कम्पनी की प्रबन्ध एजेन्सी के अधीन थी और उसके बाद मार्च, 1970 तक उसकी उत्तराधिकारी मार्टिन बर्न के अधीन रही ।

तत्पश्चात, यह रेलवे कम्पनी के निदेशकों के बोर्ड द्वारा चलाई जा रही है ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

टैक्सी स्टैंड के ठेके का आवंटन

3279. **श्री रुद्र प्रताप षाडंगी** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि टाटानगर रेलवे स्टेशन (बिहार) के निकट रेलवे की भूमि पर एक टैक्सी स्टैंड है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस वर्ष इस स्टैंड का पहली बार नीलामी के माध्यम से आवंटन किया गया है; और

(ग) बिहार के किन-किन अन्य स्टेशनों पर टैक्सी स्टैंडों के लिए नीलामी के माध्यम से ठेके आवंटित किये गये हैं ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) टाटा नगर रेलवे स्टेशन पर प्राइवेट कारों, वाहनों, टैक्सी आदि को खड़ा करने के लिए एक सार्वजनिक स्टैण्ड की व्यवस्था की गई है ।

(ख) 19 अप्रैल 1977 को पहली बार अधिकतम टेण्डरदाता को यह ठेका आवंटित किया गया है ।

(ग) बिहार राज्य में किसी अन्य रेलवे स्टेशन पर टैक्सी स्टैण्ड का कोई ठेका आवंटित नहीं किया गया है ।

फतवाह-इस्लामपुर लाईट रेलवे की मरम्मत

3280. **श्री रुद्र प्रताप षाडंगी** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि फतवाह-इस्लामपुर लाईट रेलवे लाइनें बिहार में बाढ़ों से, विशेषरूप से 1975 में पटना जिले में आने वाली बाढ़ से पूर्णतः ध्वस्त हो गई थी, और

(ख) यदि हां तो सरकार का इस रेल लाइन की कब मरम्मत कराने का विचार है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) सम्भवतः माननीय सदस्य का आशय 1976 में बिहार में आने वाली बाढ़ से है ।

यह सच है कि बिहार में, विशेषकर पटना जिले में, आई भयंकर बाढ़ के कारण सितम्बर, 1976 में फतुहा-इस्लामपुर रेलवे लाइन को भारी क्षति पहुंची थी ।

(ख) यह रेलवे लाइन एक प्राइवेट कम्पनी अर्थात् फतुहा–इस्लामपुर लाइट रेलवे कम्पनी के अधिकार में है जो इसके परिचालन का प्रबन्ध करती है, उसी को इस लाइन की मरम्मत करवा कर सेवाओं को फिर से आरम्भ करना था । इन सेवाओं को फिर से आरम्भ करने के लिए,